नवभारत टाइम्स NBT
नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रकाशित), रविवार, 18 जनवरी 2026
ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE
Lucknow Times
masalamix
OF INDIA

# 'सब्सिडी प्रक्रिया में सुधार के साथ सस्ती हों लोकेशंस'

## 2026 में फिर बढ़े लखनऊ में शूटिंग इसके लिए लाइन प्रोड्यूसरों ने दिए सुझाव

यज्ञ दीक्षित

गुजरे साल की चहल-पहल के साथ हम उम्मीदों के नए साल में प्रवेश कर चुके हैं। बीता साल लखनऊ फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छा नहीं रहा। लोकल लाइन प्रोड्यूसर्स का कहना है कि महंगी लोकेशंस और ज्यादातर फिल्मों और वेब सीरीज को सब्सिडी ना मिलने की वजह से यहां से 70-80 प्रतिशत तक काम कम हो गया है। ऐसे में 2026 की शुरुआत में उनके कुछ सुझाव हैं, जो वापस लखनऊ की फिल्म इंडस्ट्री को मुकुराने की वजह देना चाहते हैं।

### लोकेशंस सस्ती करने से बढ़ेगी शूटिंग

लाइन प्रोड्यूसर अलगा सिंह टिक्की ने बताया कि लखनऊ में अब कोई लोकेशन 50 हजार के नीचे नहीं मिलती है। लोग घरों में शूटिंग के लिए 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक ले रहे हैं। इसके अलावा, मॉलिशादार, कारवैनों और उन्नाव में भी लोग घरों में शूट के 35 से 40 हजार रुपये चार्ज करने लगे हैं। लखनऊ में शूटिंग करने का एक मुख्य कारण यह भी था कि पहले लोकेशंस सस्ती हुआ करती थीं, जिन घरों के लोग आज 50 हजार से एक लाख रुपये ले रहे, उनके यहां चार से पांच साल पहले आराम से 20 से 25 हजार रुपये में शूट कर लिया जाता था। अगर हमारे यहां लोकेशंस के रेट कम किए जाएंगे तो भविष्य में फिर यहां शूटिंग के अवसर बढ़ेंगे।

### सब्सिडी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए

लाइन प्रोड्यूसर योगेश त्रिवेदी के मुताबिक, सब्सिडी समय पर ना मिलना भी लखनऊ में शूटिंग कम होने का एक बड़ा कारण है। कई ऐसी फिल्मों और वेब सीरीज हैं, जिन्हें शूट किए सात-आठ साल होने के बावजूद अब तक सब्सिडी नहीं मिल पाई है। वहीं, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड जैसे राज्यों में इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सब्सिडी मिलने से कहीं-ना-कहीं मेकर्स को राहत मिलती है। इस प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा, परमिशन के लिए भी लोगों को भटकना पड़ता है। अगर इन चीजों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तो एक बार फिर वृद्धि में शूटिंग रफ्तार पकड़ेगी।

### जिम्मेदारों को मदद के लिए आना होगा आगे

लाइन प्रोड्यूसर रिजवान खान का कहना है कि लोगों को बेसिक जानकारी नहीं है कि सब्सिडी के आवेदन के लिए किन प्रमुख बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए। इस वजह से उन्हें दिक्कत आ रही है। सरकार की तरफ से हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं लेकिन फिर भी लोग भटकते हैं। सरकार को चाहिए कि इस प्रक्रिया को लोगों को आसान भाषा में समझाने का प्रयास किया जाए। इसके लिए विभाग के जिम्मेदार लोगों के सोशल मीडिया पर विडियो पोस्ट करवाएं, जिससे उन्हें सब्सिडी की सही प्रक्रिया पता चल सके। इसके अलावा, इसमें वे स्टार्स और उन मेकर्स की मदद भी ले सकते हैं, जिन्हें यूपी सरकार की ओर से सब्सिडी प्राप्त हुई है।

### क्रिएटिव टीम बनाकर करें सहायता

प्रोड्यूसर पंकज चौहान के अनुसार, यूपी सरकार को चाहिए कि वह कुछ सदस्यों की एक टीम बनाए, जो मेकर्स की शूटिंग शुरू होने से लेकर खत्म होने तक हर संभव मदद करें। इसके अलावा, जो टीम बनाई जाए, वो शूट के दौरान सेट का भी जायजा ले, जिससे मेकर्स के बीच एक भरोसा कायम हो सके। इस टीम में अगर यूपी के ही क्रिएटिव फील्ड के लोगों को शामिल किया जाएगा तो हालात और बेहतर किए जा सकते हैं। अगर यहां क्रिएटिव टीम लोगों को राहत पहुंचायेगी तो फिर एक बार हमारे यहां शूटिंग के लिए लोग अन्य शुरू कर देंगे।

### प्राइवेट संग सरकारी लोकेशंस के रेट कम हों

लाइन प्रोड्यूसर हैदर जैदी कहते हैं कि हमारे यहां सिर्फ प्राइवेट लोकेशंस ही नहीं बल्कि गवर्मेंट लोकेशंस के रेट में बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। अगर कोई आवेदकर पार्क, लखनऊ विश्वविद्यालय या जगेश्वर मिश्र पार्क में शूट करना चाहता है तो उन्हें से पांच लाख रुपये तक देने पड़ता है। सरकार को शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए लोकेशंस के रेट कम करने चाहिए। इसके अलावा, सब्सिडी के लिए जब से कम साल में एक दिन निर्धारित करें, जिसमें पूरे साल में जिन फिल्मों ने सब्सिडी के लिए आवेदन किया है, उन्हें लाभ पहुंचाया जा सके। साल भर का समय रहेगा तो मेकर्स की तरफ से जो कमियां हैं, उन्हें भी सही कराने के लिए पर्याप्त समय होगा।

# खुशी की सालों पुरानी फोटोज देखकर हैरान हुईं बहन जाह्नवी कपूर

इन दिनों सोशल मीडिया पर 2016 की फोटोज शेयर करने का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। ये ट्रेंड इतना पसंद किया जा रहा है कि तमाम फिल्मी सितारे भी इससे अछूते नहीं रहे। खुशी कपूर ने भी 2016 की अपनी कई फोटो शेयर की हैं, जिस पर जाह्नवी कपूर ने हैरानी जताई है। खुशी की पोस्ट की गई फोटोज में से एक पिक्चर में जाह्नवी कपूर भी उनके साथ नजर आ रही हैं। इन फोटोज के साथ खुशी ने कैप्शन में लिखा, 'मैं 2016 में सच में ज्यादा कूल थी।' उनकी इस पोस्ट पर बहन जाह्नवी कपूर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। जाह्नवी कपूर ने हैरानी जताते हुए लिखा, 'हर कोई यह क्यों कर रहा है।' खुशी की इन फोटोज पर उनके तमाम फैन्स मजेदार कमेंट कर रहे हैं।

### स्टार्स ने साझा कीं फोटोज

खुशी के अलावा दूसरे कई सिलेब्रिटीज ने अपनी 10 साल पुरानी फोटोज शेयर की हैं। ऐसे ही एक पोस्ट में आलिया भट्ट शाहरुख खान के साथ सेट पर दिख रही हैं। उन्होंने शाहरुख को अपना फेवरेट को-स्टार भी बताया। वहीं करीना कपूर ने भी 2016 की फोटोज शेयर की हैं, जिनमें जबदार फोटोज में उनका बेबी बंप दिख रहा है। उनके साथ सैफ अली खान भी हैं। उधर दीपा मिर्जा ने आर. माधवन के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

### फोटोज में दिख रही हैं जाह्नवी भी

खुशी कपूर ने अपनी कई फोटोज शेयर की हैं। उनमें से एक फोटो में वह बहन जाह्नवी कपूर के साथ दिख रही हैं। वहीं एक पिक्चर में वह सेल्फी लेती दिख रही हैं। एक अन्य फोटो में वह ऑल ब्लैक लुक में खूबसूरत लग रही हैं, तो दूसरी फोटो में वह दूर पर नजर आ रही हैं। उनकी फोटोज पर फैन्स प्यार लुटा रहे हैं।

# ज़िम्मेदारी और ईमानदारी की सीख घर से मिली: आमिर खान

बॉलिवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान ने ईमानदारी और जिम्मेदारी की समझ बचपन में अपने घर से ही विकसित करनी शुरू कर दी थी। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने बचपन के किस्से साझा किए, जिनमें पैसों के सही उपयोग से लेकर पिता से मिली ईमानदारी की सीख तक कई बातें शामिल हैं।

आमिर ने बताया, 'मैं बचपन में टेनिस कॉम्पिटिटिव लेवल पर खेलता था और इससे जो भी पैसे मिलते, उसे अम्मी के पास रख देता था। घर के हालात देखते हुए मैं अम्मी से कहता भी था कि अगर आपको जूते या कपड़े जैसी कोई चीज खरीदनी है तो मेरे पैसे ले लिया करिए। इस जिम्मेदारी ने मुझे कम उम्र में ही आर्थिक तौर पर सजग बना दिया था।'

आमिर खान ने अपने पिता ताहिर हुसैन से जुड़ा एक वाकया भी साझा किया। उन्होंने बताया, 'मेरे पिता की सबसे बड़ी खूबी हार ना मानना और

> घर के संघर्ष और मां-पिता की सीख ने मुझे न केवल आर्थिक अनुशासन सिखाया बल्कि काम के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता भी दी।

ईमानदारी थी। कई बार प्रोडक्शन के दौरान हालात ऐसे बन गए कि वे कलाकारों से खाक कह देते थे कि अभी पैसे नहीं हैं, फिल्म रिलीज होने दीजिए, उसके बाद भुगतान कर देंगे। दिग्गज कलाकार सुनील दत्त ने मुझसे कहा था कि ताहिर हुसैन की फिल्म जरूर में काम करते समय लग था कि शायद पैसों की वापसी नहीं होगी लेकिन फिल्म चलने के बाद अब्बा ने ईमानदारी से पूरा भुगतान कर दिया।'

# रहमान के बयान पर छिड़ा विवाद

## जावेद अख्तर और शान ने कहा, इंडस्ट्री में ऐसा कुछ नहीं

संगीतकार एआर रहमान ने एक इंटरव्यू में इशारों-इशारों में बताया है कि उन्हें बॉलिवुड में कम काम मिल रहा है। क्या हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बाहर के लोगों से भेदभाव होता है? इस पर उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि मुझे इससे छुपाया गया हो, लेकिन मुझे ऐसा कभी महसूस नहीं हुआ। शायद पिछले आठ सालों में पायर शिफ्ट की वजह से और जो लोग क्रिएटिव नहीं हैं, वे ज्यादा ताकतवर हैं, इस वजह से ऐसा हुआ हो। हो सकता है कि इसमें कुछ साम्प्रदायिक हो, लेकिन मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। कई बार मुझे सुनने में आया कि मुझे बुक किया गया, लेकिन बाद में म्यूजिक कंपनी ने अपने पांच कंपोजर्स रख लिए। लेकिन मैं इस सब को लेकर परेशान नहीं होता।'

> शायद लोग यह समझते होंगे कि एआर रहमान पश्चिम और अपने शो में ज्यादा व्यस्त रहते हैं, इसलिए हमारे पास नहीं आएंगे।

> मैं दशकों से गा रहा हूं, कई बार मेरे पास भी काम नहीं होता। मैं इसे पर्सनली नहीं लेता। मुझे इंडस्ट्री में कोई सांप्रदायिकता नहीं दिखती।

# मेरे काम को लेकर क्रिटिकल है बेटा अयान: इमरान

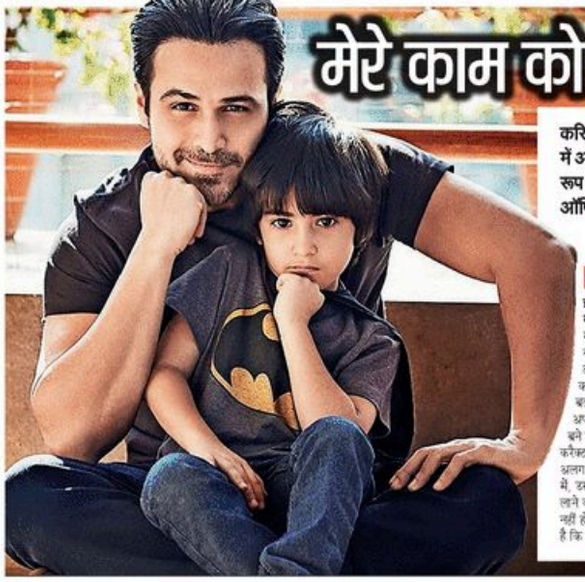

**करियर के शुरुआती दौर में किसिंग किंग के तौर पर लेबल हुए ऐक्टर इमरान हाशमी ने बाद में अपनी विविधतापूर्ण किरदारों से यह छवि तोड़ दी और खुद को एक वर्सटाइल ऐक्टर के रूप में स्थापित कर दिया। इन दिनों अपनी वेब सीरीज तस्करी: द स्मगलर्स वेब में कस्टम ऑफिसर की भूमिका में वाहवाही बटार रहे इमरान से हमने की एक खास बातचीत:**

Upma.Singh@timesofindia.com

**Q करियर के शुरुआती दौर में आप किसिंग किंग की तौर पर टाइपकास्ट कर दिए गए थे। मगर आपने उस इमेज को तोड़ा और अपनी वर्सेटिलिटी साबित की। अब बतौर कलाकार आप कितने संतुष्ट हैं?**

मैं बहुत संतुष्ट हूं। पिछले 10-12 सालों में मेरा रास्ता पूरा बदल चुका है। इसमें ओटीटी का भी हाथ रहा, क्योंकि ओटीटी के आने के बाद इंडस्ट्री में ही एक पूरा 180 डिग्री का शिफ्ट आया है। ऑडियंस का टेस्ट, स्टोरी टेलिंग सब बदली है, जो हम ऐक्टर्स को ये ताकत देती है कि हम अपनी वर्सेटिलिटी दिखा सकें। हम ऐक्टर्स इसीलिए तो बने हैं। हालांकि, कुछ स्टार्स सालों तक उसी मोल्ड में वही करैक्टर्स करते रहते हैं लेकिन ये उनकी चॉइस है। मैं हमेशा से अलग-अलग चीजें करना चाहता था। उस शुरुआती दौर सालों में, उस टाइपकास्ट के जेल में भी मैंने अलग-अलग डिरेक्शन लेने की कोशिश की लेकिन बेसिक करैक्टर वही था तो संतुष्ट नहीं होती है। फिल्में भले चलती हैं लेकिन आपको खुद लगता है कि आप एक ही किरदार बार-बार कर रहे हैं। मतलब नींद में भी कर लो तो फिर मैंने ठान लिया कि जो नहीं करना है। अच्छी बात ये रही कि फिल्ममेकर्स ने भी मुझ पर भरोसा जताया। आज मेरा फिल्म चुनने का बेंचमार्क यही होता है कि फिक्र पड़ते हुए अगर मुझे थोड़ा डर लगे कि मैं ये कर पाऊंगा या नहीं तो वो एक ग्रीन सिग्नल है कि ये निश्चित तौर पर करना चाहिए। जैसे, पिछली फिल्म हक में बहुत ही जटिल किरदार था। नेगेटिव शेड था पर वह असल में नेगेटिव नहीं है। उसकी परवरिश, उसकी कंडीशनिंग वैसी है। उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया क्योंकि वह बहुत कॉम्प्लेक्स किरदार था और मेरे व्यक्तित्व से बिल्कुल उल्टा था और किरदार आपसे जितना अलग होता है, उसके करीब पहुंचने में उतनी मेहनत लगती है। उतना ही मजा आता है।

**Q उस दौर में आपको ये भी मलाल रहता था कि आप बेटे अयान को अपनी फिल्में नहीं दिखा पाते थे। अब वे टीनेजर हैं, अब उनकी आपके सिनेमा को लेकर क्या राय रहती है?**

वह बहुत क्रिटिकल है और मैं इस चीज की हमेशा से बहुत कद्र करता हूं कि आपके करीबी, दोस्त आपकी परफॉर्मेंस पर खुलकर अपनी राय दे सकें। उन्होंने वैड्स ऑफ बॉलिवुड देखी, चूंकि जेन जी वाला कॉन्टेंट था तो उनको बहुत पसंद आई। उन्होंने हक भी देखी। हालांकि वह एक मच्योर लव स्टोरी है लेकिन उन्हें जो भी पसंद आई मगर जो मेरे काम को लेकर क्रिटिकल है। वो एक नई पीढ़ी से है और आज की पीढ़ी के बच्चे बहुत ओपिनियेटेड हैं। उनकी अपनी राय है। पहले वाली फिल्मों की तो वो बहुत आलोचना करते हैं, क्योंकि वो आज की उस पीढ़ी से हैं, जहां चार साल की उम्र से उनके हाथ में आईपैड था, इंटरनेट था। आज पैट जीपीटी है, जिस पर हर चीज का हल मिल जाता है तो वे बहुत ही ज्यादा स्मार्ट हैं।

**Q आर्थन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलिवुड में आपका छोटा सा कैमियो खूब वायरल हुआ। आपको लगा था कि वो इतना पसंद किया जाएगा? आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?**

मुझे नहीं लगता कि किसी को भी अंदाजा था कि ऐसा होगा। हां, सीन बढ़िया था। वैसे, यह सीन पहले अलग होने वाला था। पहले सीन ये था कि मैं एक प्रीमियर पर हूं और राघव मेरा बड़ा फैन होगा। फिर दो महीने पहले आर्यन और विलाश ने इसे इंटीमेसी वॉच वाला सिग्नल दिया। उन्होंने मुझे आइडिया सुनाया जो मुझे बहुत फास्ट लगा। उन्होंने शाहरुख (खान) सर को भी सुनाया। उन्हें भी अच्छा लगा तो मेरे हिसाब से ये इंटीमेसी वॉच वाला एपल मास्टर स्ट्रोक था लेकिन वायरल वाली चीज तो बस हो गई। मुझे भी बहुत हैरानी हुई। वैसे मैं इन चीजों से थोड़ा डिटैच रहता हूं। हालांकि, ऐसा नहीं है कि मुझे अच्छा नहीं लगता। मुझे भी खुशी होती है पर मैं सोशल मीडिया पर इतना ऐक्टिव नहीं हूं, मुझे तो प्लैटफॉर्म वाले ने फोन करके बताया कि जो सीन इतना वायरल हो गया है।

CONTINUED ON ▸ 2

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 18-01-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG2 User: cci Time: 01-17-2026 23:44 Color:



## टाइमपास के फंडे

आप भी कर रहे है समय का सदुपयोग, तो हमे भेजे टाइमपास की फोटो lucknowtimesnbt@gmail.com पर। सब्जेक्ट मे लिखें- Timepass

प्रियंका सिंह

## स्माइल विद दादा-दादी

भेजे दादा-दादी के साथ वाली प्यारी-सी फोटो lucknowtimes nbt@gmail.com पर। अपने नाम के साथ दादा/दादी का भी नाम लिखे। सब्जेक्ट मे लिखें- Smile with Dada/Dadi

चंदू

उन्नति वर्मा

## नेचर से प्यार

भेजे गार्डनिंग करते हुए अपनी फोटो lucknowtimesnbt@gmail.com पर। नाम व पता जरूर लिखें। सब्जेक्ट मे लिखें- Nature se Pyar

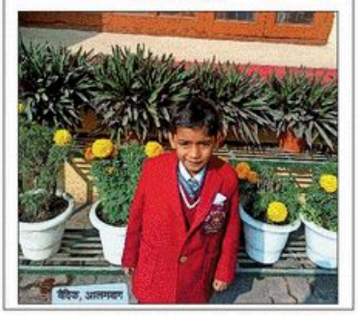

वैदेह, आलमबाग

## जन्मदिन की शुभकामनाएं

वर्ष के स्वामी सूर्य और मंगल रह रहे हैं। राशि से दूसरे बारहवें घर में सूर्य, बुध, शुक्र का धनुराशि योग जनकों के शेष दिनों में आपको कुछ बड़े खर्चे व जोखिम उठाने पड़ सकते हैं। हालांकि अपने वाली परेशानियां अस्थायी रहेंगी और समय के साथ स्थिति में सुधार होता चला जाएगा। फरवरी-मार्च में किसी राजकीय विवाद का भी अंत हो जाएगा। इस दौरान कानूनी विवाद में आपकी विजय होगी। अप्रैल के मध्य में कई प्रकार की समस्याएं उठकर अपने आप ही समाप्त हो जाएंगी। मई-जून में आपको अपने व्यवसाय को लेकर कुछ कष्ट उठाने होंगे। जुलाई में परिवार के मामले हल हो सकते हैं। अगस्त-सितंबर में मित्रों की सहायता से कामकाज में सफलता होगी। अक्टूबर-नवंबर में किसी पर्यटन यात्रा का आनंद उठाएंगे। दिसंबर के मध्य तक किसी नए कार्यक्षेत्र की योजनाएं बनेंगी। महिलाओं के लिए वर्ष जीवन स्तर को बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। घर-परिवार के सदस्यों की अस्वस्थता के खर्च बढ़ेंगे। जिद्दी रोग की शांति के लिए श्री मृत संजीवनी जाप सवा लक्ष कराएं।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

## कल का पंचांग (सोमवार, 19 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 30, शक संवत 1947, नाम शुक्ल, प्रविष्टे, सोमवार, विक्रम संवत 2082। सौर माघ मास प्रविष्टे 6, रजब 28, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 19 जनवरी 2026 है.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, हिमिर ऋतु। राहुकाल प्रात: 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक। प्रतिपद तिथि अपराह्नोत्तर 2 बजकर 14 मिनट तक उपरांत द्वितीया तिथि का आरंभ। उत्तराषाढ़ नक्षत्र पूर्वाह्न 8 बजकर 52 मिनट तक उपरांत श्रवण नक्षत्र का आरंभ। ब्रज योग रात्रि 8 बजकर 45 मिनट तक उपरांत सिद्धि योग का आरंभ। विलुप्त करण दिन के 1 बजकर 5 मिनट तक उपरांत बालव करण का आरंभ। गंडांत दिन-रात कुंभ राशि पर संचार करेंगे।

### आज के व्रत और त्योहार

मैनेजमेंट डीएं स्नान महात्म्य।

## सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | 5 | | | | 3 | |
| | | | 4 | | 7 | | | 8 |
| | | 3 | | 6 | | | 1 | |
| | 5 | | | | | | | 4 |
| 2 | 1 | 4 | | | | 6 | 9 | 3 |
| 6 | | | | | | | 2 | |
| | 2 | | | 5 | | 7 | | |
| 1 | | | 7 | | 9 | | | |
| | 4 | | | | 1 | 3 | | |

## TELEVISION

big magic

| | |
|---|---|
| 09:00 बबलू डबलू | 13:30 भ से भड़े |
| 10:00 बड्डुध बुड़बक | 14:00 खडधारी अजेय कृष्णा |
| 11:00 रुद्र के रक्षक | 15:00 तिहिल कृष्णा |
| 12:00 खडधारी अजेय कृष्णा | 17:00 बबलू डबलू |
| 12:30 हम पांच | 19:00 खडधारी अजेय कृष्णा |
| 13:00 रुद्र के रक्षक | |

## 12 राशियां और आपका दिन

**ARIES** अज का दिन 5 बजे तक जोड़े खास खेल पड़ोसन हो जाएगी। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विलास का योग अधिक है। संभावना 7 बजकर 30 मिनट पर घटना मजर रहेंगे मे प्रवेश करेंगे, इसके फलस्वरूप मनचलेपनी में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

**TAURUS** आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी रेलवन्ति की खड़ से मन को सुकून मिलेगा। आपकी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में व्यापार के कारोबार पड़ाव में वृद्धि होगी। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन व मनोर्थ सिद्धि होगी।

**GEMINI** आज का दिन आपी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्टिक काम को पूरा करने में आप आगे दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है, आज उसी करने को मिलेगा। नई योजनाओं में दिमाग में आएगी, अपने से सीनियर का सहयोग पाने का प्रयास करें।

**CANCER** आज का दिन आपी सृजनात्मक है, जो भी काम लेकर के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम भी निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण फैसले होंगे। ऑफिस में आपके विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

**LEO** आज का दिन पैसे तो आपी व्यस्त रहने वाला है, लेकिन धर्म-अध्यात्म के मामले में पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों से संतुष्ट होंगे जो जरिए रहेंगे। राशि का स्वास्थ्य मालामय कार्यों में व्यतीत होगा।

**VIRGO** आज के दिन आपी खर्चों व्यवहार में संयम व संतुलन बरते। अनावश्यक के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ कार्य की पहल हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्मविश्वास के साथ कार्य करें। राशि के स्वास्थ्य स्थिति में और भी सुधार होगा।

**LIBRA** आज का दिन आपके लिए लाभकारक है। कार्य-व्यापार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी काम शुरू हो सकता है। जमीन-जायदाद के मामले में परिवार के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे। कार्यालय में आपके अनुकूल वातावरण बनेगा।

**SCORPIO** अधिक वृष्टि के हिसाब से आज का दिन काफी शुभ है। दिनभर धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए सावधिक रहें। परिवार में सुख-शांति और मिठास का आनंद उठाएं। मैत्रियों या व्यापार में कुछ महीनों तक सके तो अपने पास्वार लाभ होगा। सबध ही आपके काम में भी नई जान आएगी।

**SAGITTARIUS** आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नया करने में शाथ आएगा। किसी अपने के लिए कुछ पैसे का हाथ खर्च करना पड़ सकता है। माता-पिता की सलाह जरूर मानें।

**CAPRICORN** आज का दिन सामान्य है। भागदौड़ में दिन व्यस्त रहेगा। रोजमर्रा के कामों को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। कई प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से व्यस्तता बढ़ सकती है।

**AQUARIUS** आज का दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरताने का है। मौसम परिवर्तन से संक्रांत संबंधी कष्ट हो सकते हैं। खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न करें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच-समझ कर करें।

**PISCES** आज का दिन लाभकारक है। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। परेशानियों को धैर्य से टीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप उस रास्ता कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक तलाश रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सके तो शुभ होगा।

GALLERIA TIMES interact

WINTER COLLECTION
20%+ OFF
Great designs in hunter and patch pocket sadris and coats
Pure Cotton Shirtings, Suitings and Linen
Tuxedo & Farewell Suits
Gents Overcoats
Men's Readymades
Largest Variety of Sadri in City
Ladies Coats/Formals
MEN'S TAILORING
Big Sizes Available
PANACHE
Raymond 100 % Branded | 100% Satisfaction
A-1515,(OPP MEENA MARKET), LEKHRAJ
METRO STATION ROAD,INDIRA NAGAR, LKO
0522-4060627, 8081109927
ONE STOP SHOP
SCAN FOR LOCATION

अपनी मस्ती भरी तस्वीरें हमें lucknowtimes nbt@gmail.com पर भेजिए। मेल में अपना पता व नंबर जरूर लिखें और सब्जेक्ट में लिखें Kichoge to Dikhoge.

खींचोगे तो दिखोगे

राह फोटो सौम्य ने ओमैक्स सिटी से भेजी है।

## 'बेटा चेस कॉम्पिटिशन में खुश है'

CONTINUED FROM 1

**Q आपको भी उन पर गर्व होगा कि उन्होंने फिल्मी लिगेसी के आसान रास्ते के बजाय चेस को चुना है?**

हां, अभी तो वेरा नॉन फिल्मी है। अभी तक तो उसने कभी कहा नहीं कि उसे इंडस्ट्री में आना है या फिल्में करनी हैं। वह अपने चेस कॉम्पिटिशन में व्यूस है। पढ़ाई में ध्यान दे रहा है। चैंपे अभी तो सिर्फ 15 साल का है। अभी कॉलेज जाएगा तो अभी कनैरियर नहीं है कि आगे क्या करेगा।

**Q अपनी नई सीरीज तस्करी में आप फास्ट न ऑफिसर के रूप में खासे नैचरल लगते हैं। इस रोल के लिए किस तरह रिसर्च की?**

सच कहूं तो नीरज पांडे और राघव जयरथ (निर्देशक) की टीम ने कस्टम को लेकर काफी रिसर्च की थी कि किस तरह तस्करी होती है। सारा मटीरियल स्क्रिप्ट में था जो मुझे बड़ा रोचक लगा था। फिर भी मैंने कुछ कस्टम ऑफिसर से बात की। बाकी, मैं सालों से ट्रैवल कर रहा हूं तो दिमाग में चलते चलते जाती है कि ऐक्सरे मशीन पर लोग कैसे चेक करते हैं? कनवेयर बेल्ट पर कैसे ध्यान देते हैं तो इस सबसे भी मदद मिली।

## HEALTH & WELLNESS TIMES interact

माही डायग्नोस्टिक
सभी जाँचें एक ही जगह
उत्तर प्रदेश में पहला NABL इमेजिंग सेंटर
डिजिटल CBCT
NABL Certified Lab
★ एम आर आई
★ सी.टी. स्कैन (Cardiac Angiography)
★ पैथालॉजी
★ अल्ट्रासाउण्ड एवं अन्य सभी जाँच
पिकाडिली होटल के सामने, कानपुर रोड, लखनऊ
फोनः 0522-4074409, हेल्पलाइनः 8448440852
शाखा सी-2/112, सेक्टर-एच, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड योजना, लखनऊ, फोनः 05224314572

## GET NOTICED TIMES interact

hotelbandhan.in
सगाई से विदाई तक
अटूट रिस्तों का बंधन
Limited Dates Available
Hotel Bandhan
FULLY AIR CONDITIONED
BANQUET • CONFERENCE • ROOMS
For reservations: +91-9839900562
B-11, Near Bhootnath Market Metro Station, Faizabad Road, Indira Nagar, Lucknow-16

योग-भवन
1960-2026
66 वर्षों की निष्ठावान सेवा
योग चिकित्सा केन्द्र
असाध्य रोगों का उपचार
घर बैठे योग करें
ऑनलाइन या होम ट्यूशन
3-माह योग सर्टिफिकेट कोर्स
योग प्रशिक्षक बनें
योग भवन हनुमान सेतु मन्दिर के पास
लखनऊ विश्वविद्यालय मार्ग लखनऊ
99214-25096,98813-97156

## लखनवी थिएटर में बाल कलाकार भर रहे हैं अभिनय के रंग

लखनवी थिएटर में नई पौध तैयार हो रही है। जिस उम्र में बच्चे ढंग से बोलना, खेलना नहीं सीख पाते, उस उम्र में नन्हे कलाकार थिएटर के मंच पर अपनी प्रतिभा के रंग सबको दिखा रहे हैं। तीन से लेकर 12 साल तक के बच्चे रंगमंच के धुरंधरों के साथ स्टेज पर अपने संवाद और अभिनय से खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। यह इस बात का सबूत है कि आने वाला वक्त नए कलाकारों से गुलजार होगा। पेश है मोहम्मद फाजिल की रिपोर्ट:

# रंगमंच के नन्हे उस्ताद

### अवि पांडे तीन साल की उम्र से ही कर रहे हैं ऐक्टिंग

सात साल के अवि पांडे तीन साल की उम्र से नाटक कर रहे हैं। रंग संगम संस्था से जुड़े अवि दर्जनों नाटक और नुक्कड़ नाटक कर चुके हैं। अवि के पिता शुभम पांडे ने बताया कि छोटे से ही बेटा टीवी व मोबाइल में कार्टून, फिल्में देखकर वैसा ही करने की कोशिश करता था। इसकी रुचि देखते हुए रंग संगम संस्था में अभिनय की बारीकियां सीखने को भेजा। अवि ने पहला नाटक तीन साल की उम्र में किया था। अब तक अवि सामाजिक मुद्दों पर बने नुक्कड़ नाटक खेप बटोले, स्वच्छता, नारी सशक्तीकरण, कुंभ चले, स्कूल चले, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, परिवर्तन जिंदे लड़की, तीमरदार, सुने तुम लड़की हो मैं अभिनय कर चुका है। इसके अलावा, अवि ने एसएसए की ओर से होने वाले संभागीय नाट्य समरोह में नाटक थैफ पुलिस में एक तोतले लड़का का किरदार निभाया है। वहीं, लघु फिल्म आत्मकथ्य में छोटे बेटे की भूमिका की है।

### लोक नृत्य से लेकर नाटकों तक में निभाई नौ साल की शुभी ने भूमिका

सुप्रिया कुमारी उर्फ शुभी नौ साल की है और कक्षा एक में पढ़ती है। इनके पिता विपिन कुमार ने बताया कि बेटी को लोक नृत्य और कथक में रुचि के साथ अभिनय का शौक है। शुभी ने अब तक नुक्कड़ नाटक स्वच्छता, नारी सशक्तीकरण, बेटी घर की रानी, गुल्ली, आदि में अभिनय किया है। वह समय सेवा समिति से जुड़ी है, जिसके अलावा कई नाटकों में महत्वपूर्ण भूमिका की है। उन्होंने द ग्रेट राजा मास्टर ड्रामा कंपनी में प्रमोटर की भी भूमिका की है। विपिन बताते हैं कि स्कूल के वार्षिक उत्सव के साथ महाकुंभ प्रयागराज 2025 में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित लोक नृत्य कार्यक्रमों में भी शुभी ने सहभागिता निभाई है। अभी वह अभिनय के साथ सिरकोसी सत्संग भवन में कथक की शिक्षा हासिल कर रही है।

### सौम्या के पिता ही बने गुरु

सौम्या नौ दो साल से रंगमंच में सक्रिय है। आठ साल की सौम्या के पिता सजू नौह भी थिएटर आर्टिस्ट है। सजू ने बताया कि वह जब छोटी थी, तब से ही मैं उसको नाटक दिखाने और रिहर्सल में ले जाया करता था। मैंने जब देखा कि वह रंगमंच में रुचि दिखा रही है तो खुद ही उसको अभिनय का प्रशिक्षण देना शुरू किया। वह चीजों को समझने लगी तो उसको रंगमंच में अभिनय करने को प्रोत्साहित किया। ऑडिज्ञा डे पर नाटक मेरा बच्चा मेरी दुनिया में सौम्या के अभिनय को सराहा गया। नाटक आमक्षा में उसने शहर की लड़की की भूमिका की। वर्तमान में भी नाटक में अभिनय कर रही है। गरीब किसान, नहर काटो नुक्कड़ नाटकों में उसने अभिनय किया है।

### डेढ़ साल की उम्र में पहला नाटक

वंश कृष्ण शुक्ल अभी छह साल के ही हैं लेकिन उन्होंने अपना पहला प्रोजेक्ट मात्र डेढ़ साल की उम्र में किया था। वंश के पिता योगेश और माता दोनों ही थिएटर आर्टिस्ट है। योगेश बताते है कि घर में मैं और मेरी पत्नी है तो जब हमारे नाटक होते थे तो हम वंश को अपने साथ लेकर जाते थे क्योंकि अकेले घर पर छोड़ नहीं सकते थे। ऐसा करते-करते वंश भी हम लोगों के साथ रिहर्सल में शामिल होने लगा। कई बार तो रिहर्सल के दौरान डायलॉग भूलने पर वह याद दिलाता था। उसने डेढ़ साल की उम्र में पहला नाटक किया था। अब तक वह तीन से चार प्रोजेक्ट कर चुका है। इसमें रामलीला में राम का किरदार और सामाजिक सद्भाव पर आधारित नाटक में एक ईसाई बच्चे का किरदार निभाया है। अभी एक प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं और एक वेब सीरीज में भी उसका चयन किया गया है।

# स्कूल टाइम

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

**आज के समय में बच्चों के सामने जानकारी के साधन तो बहुत हैं, लेकिन सीखने की आदत अपने आप नहीं बनती। स्कूल की पढ़ाई हो या घर पर किया जाने वाला अभ्यास, अगर बच्चे में सीखने की रुचि और निरंतरता नहीं है, तो ज्ञान अधूरा रह जाता है। ऐसे में पैरेंट्स और टीचर्स की भूमिका अहम हो जाती है। सही माहौल, सकारात्मक प्रोत्साहन और समझदारी से बच्चों में इस आदत को मजबूत किया जा सकता है।**

## सीखने के लिए सही माहौल बनाएं

Abhishek.Singh2@timesofindia.com

बच्चों की सीखने की आदत विकसित करने के लिए सबसे पहले अनुकूल माहौल जरूरी है। घर में पढ़ाई के लिए एक निश्चित जगह तय करें, जहां शोर-शराबा और मोबाइल-टीवी जैसी चीजों से दूरी हो। स्कूल में भी क्लास का वातावरण सहयोगी और उत्साहवर्धक होना चाहिए, ताकि बच्चा बिना झिझक सवाल पूछ सके। स्कूल्स में जरूरी है कि टीचर्स बच्चों के डाउट्स क्लीयर करें और उनके बीतर से यह डर निकालें कि सवाल पूछने पर वो नाराज हो जाएंगे।

> बच्चों में सीखने की आदत कोई जन्मजात गुण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। जब घर और स्कूल दोनों मिलकर प्रयास करते हैं, तब बच्चा पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि आनंद के रूप में लेने लगता है।

### रूटीन और अनुशासन की भूमिका

नियमित दिनचर्या बच्चों को अनुशासित बनाती है। पढ़ाई, खेल, आराम और मनोरंजन इन सभी के लिए समय तय होना चाहिए। जब बच्चा जानता है कि किस समय क्या करना है, तो पढ़ाई उसके जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन जाती है। घर और स्कूल दोनों में एक जैसा रूटीन होने से बच्चे को तालमेल बैठाने में असानी होती है।

रूटीन के हिसाब से चीजों को मैनेज करना एक आर्ट है और यह ताउम्र काम आती है। जहां तक स्कूल में स्टडी की बात है तो बच्चे इस आदत से अपने सारे सब्जेक्ट्स को बराबर ध्यान दे पाते हैं, जोकि उनकी पढ़ाई का एक अहम हिस्सा होता है।

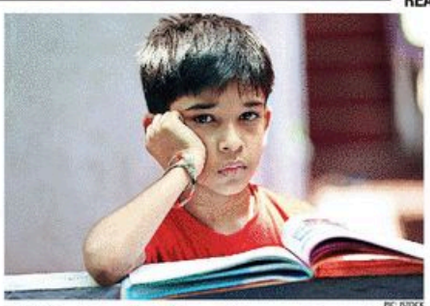

PIC: ISTOCK

### रटने की जगह समझने पर जोर

सिर्फ किताबें याद कर लेना सीखना नहीं होता। बच्चों को यह समझना जरूरी है कि वे जो पढ़ रहे हैं, उसका वास्तविक जीवन से क्या संबंध है। उदाहरणों, कहानियों और गतिविधियों के जरिए पढ़ाई को रोचक बनाया जा सकता है। इससे बच्चा विषय को गहराई से समझता है और सीखने में रुचि बढ़ाती है।

### प्रोत्साहन और सराहना जरूरी

बच्चों की छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करना बेहद जरूरी है। अच्छे अंक ही नहीं, बल्कि प्रयास की भी तारीफ करें। डांट या तुलना करने के बजाय सकारात्मक शब्दों का प्रयोग करें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह सीखने के लिए प्रेरित होता है।

### डिजिटल साधनों का संतुलित उपयोग

आज के दौर में डिजिटल माध्यम सीखने का अहम हिस्सा बन चुके हैं। शैक्षणिक ऐप्स, वीडियो और ऑनलाइन गतिविधियां बच्चों को आकर्षित करती हैं। लेकिन इनका संतुलित उपयोग जरूरी है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्क्रीन टाइम सीमित और उद्देश्यपूर्ण हो।

www.jaipuriaschoolvrindavanyojnalko.in

SETH M.R. JAIPURIA SCHOOL VRINDAVAN YOJNA LUCKNOW

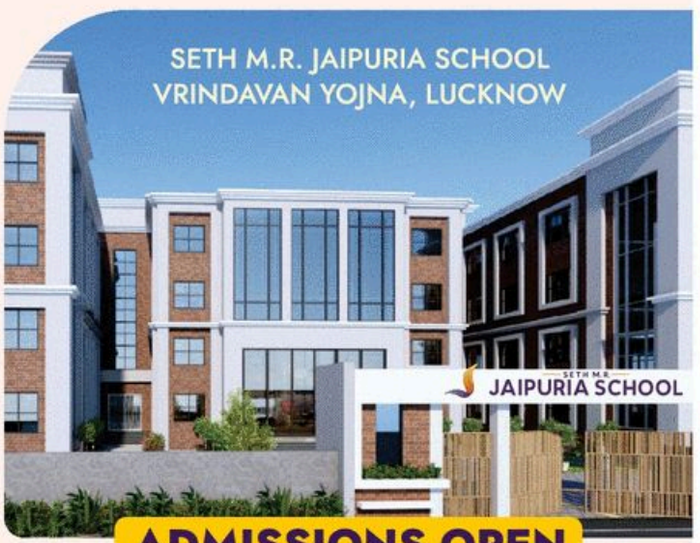


ADMISSIONS OPEN
FOR SESSION 2026-27

WHY JAIPURIA

Learning designed for holistic growth | Focus on future-ready skills and Indian values | Student-led learning with interdisciplinary approach | Continuous teacher upskilling | 80+ years legacy with 60+ schools

INDIA'S PREMIER SCHOOL CHAIN

80+ Years Legacy | 6 States | 51 Cities | 60+ Schools | 3000+ Educators | 55000+ Students | 110000+ Happy Parents

SECTOR - 17 VRINDAVAN YOJNA, NEAR SGPGI TRAUMA CENTRE, RAEBARELI ROAD, LUCKNOW.
M: +91 9151082071, +91 9151082072

LUMINA TERRA
SCHOOL OF NATIONS

EXCLUSIVE. | INNOVATIVE. | SUSTAINABLE.

A School That Feels Like Home.

LT 1st Open Day
Saturday 21 February 2026 | 10 AM to 1 PM

Trial Classes | LT Happy Hours Daycare
Join Today

With no beginning or end, circular spaces nurture balance, calm, focus and a deep sense of oneness with self and spirit.

Whole Child. Deep Roots. Small Classes. Advance Faster.

740 840 5000 | luminaterra.org
Opposite Palassio Mall
Next to Omaxe Palace

An exciting journey for 2+ to 12 year-olds this year.
Upcoming K-12 Cambridge / CBSE / IBDP

## सना खान बोलीं, 'किसी ने प्रभावित नहीं किया'

सना खान के 2020 में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री छोड़ने के बाद उनके पति मुफ्ती अनस सईद पर सना का बेवफाई करने का आरोप लगा था। हाल ही में सना खान ने कहा है कि यह बिल्कुल भी सच नहीं है। कोई भी आपको प्रभावित नहीं कर सकता, जब तक आप खुद ना चाहें।

# 'पत्नी शबाना आधार स्तंभ नहीं मालकिन भी हैं'

**अनवरत चल रहे अदाकारी के इस सफर में चार-चार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजे जा चुके कद्दावर अभिनेता मनोज बाजपेयी अपने तीस साल के सफर में फिल्मों की सेंचुरी लगा चुके हैं। फैमिली मैन जैसी सीरीज से दर्शकों के लिए 'एक बंदा काफी है' को चरितार्थ करने वाले मनोज से खास बातचीत।**

Rekha.Khan@timesofindia.com

मनोज बाजपेयी

**Q आप बिहार के छोटे से गांव बेलवा से हैं, अपने बालपन की कौन-सी याद आज भी नहीं भूले?**

जब आप छोटे होते हैं, तो बहुत कुछ नहीं जानते, लेकिन मेरे बचपन की सबसे अच्छी बात यही रही कि मैं बेहद फोकस्ड था। मुझे तब भी पता था कि मुझे क्या करना है और कहां जाना है। बहुत कम कहानियां सुनने को मिलती हैं, जहां बच्चा बचपन में ही तय कर ले कि उसे जीवन भर क्या करना है, लेकिन मैंने होश संभालते ही तय कर लिया था कि मैं अभिनेता बनूंगा। ये विचार कब आया याद नहीं, बस मात-पिता के साथ सिनेमा देखता था, बलराज साहनी, दिलीप कुमार, गुरुदत्त साहब की फिल्में सब। फिर अमिताभ बच्चन साहब की फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि अभिनय ऐसे भी हो सकता है और कमर्शियल सिनेमा की दुनिया कैसी होती है। अभिनय हमेशा अच्छा लगता था। कक्षिा पांच का मामा इसलिए आता था, क्योंकि उसमें परफॉर्मेंस का स्कोप रहता था। पढ़ाई आखिरी महीने में करता था। पढ़ने में बुरा नहीं था, सेकंड डिविजन मैनेज कर लेता था।

**Q निराशा में आत्महत्या तक करने की सोच डाली थी, जब आप एक्सक्रीमें से तीन-चार बार रिजेक्ट हो गए?**

देखिए, उस तरह की सोच जो होती है न, आकर चली जाने वाली होती है। कोई भी व्यक्ति जब शुरू में रिजेक्ट होता है, तो उसके जीवन में इस तरह के क्षण कम समय के लिए आते हैं। यह जाने वाली सोच आती है कुछ क्षणों के लिए, क्योंकि सपना सोच से कहीं ज्यादा बड़ा होता है, तो आप उससे पार पा जाते हैं। शुरुआती दिनों को रेजेक्शिाई करना मुझे पसंद नहीं, क्योंकि मेरे जैसे कई लोगों ने कड़े संघर्ष का रास्ता अख्तियार किया है। मेरा रास्ता कोई अनोखा रास्ता नहीं था, बस अनेकों एक ही तरह से था कि मैं जिस जगह से आता हूं, वहां से वहां तक पहुंच पाना बहुत असंभव-सा लगता है।

**Q टर्निंग पॉइंट किसे मानते हैं?**

(हंसते हुए) पहला किक तो स्वाभिमान ही था। डेढ़ हजार रुपये प्रति एपिसोड के हिसाब से पहली बार तीन हजार रुपये मिले थे दो एपिसोड के। उस समय वे रकम मेरे लिए बहुत थी। 'स्वाभिमान' से इतना पैसा मिलने लगा कि मैं एक कमरे में अकेले रह सकूं। रोल बड़ा तो महीने के करीब 25 हजार मिलने लगे। लेकिन अपने करियर का असली टर्निंग पॉइंट मैं 'सत्या' को मानता हूं। दिलचस्प बात ये कि शुरुआत में मैं 'सत्या' वाली टाइटल रोल करना चाहता था। रामू जी ने मुझे वही रोल ऑफर किया था। फिर स्क्रिप्ट लिखी गई और उन्हें लगा कि भीखू म्हात्रे का रोल बहुत मुश्किल है और इसे कोई विक्टर आर्टिस्ट ही निभा सकता है। तब उन्होंने कहा 'सत्या' के लिए मैं किसी को ले लूंगा, लेकिन भीखू का रोल तुम ही करो।

**Q आपकी पत्नी शबाना (नेहा) और आप गंगा-जमुनी तहजीब से आते हैं, इसे कैसे देखते हैं?**

देखिए, ऐसे हैं कि शबाना आती हैं एक बेहद सेक्युलर परिवार से, और मैं हूं एक छोटी जगह के ब्राह्मण परिवार से। मेरे खयाल से हमारा मिलन इसलिए है कि हम दोनों आइडियोलॉजिकल रूप से सेम हैं। हमारे घर में धर्म पर बातचीत नहीं होती, जो एक अनसेफ रूल है कि हम धर्म पर बात नहीं करते। जो एक ऐसा नियम है, जो किसी ने बनाया नहीं बल्कि बन गया है। और जो हम हैं, जिसे जैसे भी भगवान को याद करना है करे। मैं भगवान में गहरी आस्था रखता हूं, मगर मैं इस पर ज्यादा बात इसलिए भी नहीं करता क्योंकि धर्म ने जितना जोड़ है, उतना ही ज्यादा बात करने से दुराव बढ़ता है। इसीलिए मैं कहता हूं आपको जैसे भी याद करना है, भगवान को याद करो, मगर ज्यादा बात मत करो, क्योंकि उससे कॉन्फ्लिक्ट आएगा।

**Q आपकी पत्नी शबाना आपको किस तरह से परिपूर्ण करती हैं? कहते हैं, पति-पत्नी का रिश्ता गाड़ी के दो पहियों की तरह होता है?**

कभी-कभी एक पहिया पंक्चर भी हो जाता है(ठहाका लगाते हुए) मगर आप में वो क्षमता होनी चाहिए कि आप जल्द से जल्द उस पंक्चर को ठीक करवा लें। वे मेरी आधार स्तंभ नहीं मालकिन हैं। उनके बनाए हुए रूल्स पर हम सभी चलते हैं। वे बहुत ही पढ़ने -लिखने वाली आइडियोलॉजिकल महिला हैं। आप अगर आइडियोलॉजिकली कुछ भी गलत बोलें, तो आपको तुरंत ही करेक्ट भी कर दिया जाता है। मैं मामले में बहुत ही भाग्यशाली हूं कि जो मेरी बेटी की मां हैं। मेरी बेटी उनके बनाए हुए संस्कार पर पल रही है।

# हमने मुश्किल दौर देखा पर अब तो बहुत सुविधाएं हैं: फरीदा जलाल

सीनियर ऐक्ट्रेस फरीदा जलाल इन दिनों सुर्खियों में हैं। आठ घंटे की शिफ्ट को लेकर चल रही बहस में उन्हें भी प्रतिक्रिया देने पर मजबूर कर दिया। अब एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने अपने दौर की कठिनाइयों और आज की इंडस्ट्री के बदले हुए परिवेश पर बात की।

उन्होंने कहा, 'हमारे वक्त में लंबे और थकाने वाले घंटों में काम करना कोई बड़ी बात नहीं होती थी। आउटडोर शूट के दौरान ना पैनिक्ड चैन होती थी, ना बुनियादी सुविधाएं। महिला कलाकार होने के नाते मुझे अपनी मां के साथ कई मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ता था।'

फरीदा जलाल ने कहा, 'आज के कलाकारों को मिलने वाली सुविधाएं पहले की तुलना में बहुत अधिक हैं। उन्हें सुविधाओं का इतना अभ्यस्त बना दिया गया है कि मेहनत की असली परिभाषा कहीं पीछे छूट रही है। पहले एक्टिंग का पेशा चुनने से पहले दस बार सोचना पड़ता था क्योंकि कठिनाइयां बहुत ज्यादा थीं। काश उन्हें कम करने की कोशिश की जाती।'

**पहले एक्टिंग का पेशा चुनने से पहले दस बार सोचना पड़ता था क्योंकि कठिनाइयां बहुत ज्यादा थीं।**

# Happily Ever After

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

शुभ घड़ियों वाले शादियों का मौसम शुरू होने को है। इसकी तैयारियां अभी से ही जोर पकड़ लेंगी। इससे जुड़े नए प्रॉडक्ट बाजार में दिखने भी लगे हैं। बात जब शादी की होती है तो कपड़ों से लेकर जूलरी और दूसरी एक्सेसरीज पर फोकस रहता है। इसलिए जरूरी है कि आप बाजार जाकर इस अवसर का लाभ उठाइए।

# नई शुरुआत के लिए तैयारी हो खास

Abhishek.Singh2@timesofindia.com

भारत में शादी सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि एक बड़ा सामाजिक उत्सव होता है। खासकर लखनऊ जैसे शहर में, जहां तहजीब, परंपरा और शालीनता हर मौके को खास बना देती है। अगले कुछ दिनों में शादी करने जा रहे शुभम गर्ग कहते हैं कि बचपन से ही शादियों के माहौल में हमलोग पले-बढ़े हैं। शादी को लेकर एक बड़ी तस्वीर मन में है। अब जब शादी की तैयारियां हो रही हैं, तो दोस्तों से बातचीत में तय हो रहा है कि क्या पहना जाए। यह सच है कि जब सच में शादी तय होती है, तो सारी कल्पनाएं एक ही सवाल पर आ टिकती हैं कि इसे कैसे खास बनाया जाए?

### शॉपिंग के लिए सही प्लानिंग जरूरी

शादियों की तैयारियां अक्सर 4-6 महीने पहले शुरू हो जाती हैं। हर फंक्शन के लिए अलग आउटफिट, जूलरी और एक्सेसरीज की जरूरत होती है। शादी के कार्ड्स आम कपड़ों से अलग होते हैं। ये भारी, कारीगरी से भरपूर और बजट पर असर डालने वाले होते हैं। ऐसे में बिना प्लानिंग के शॉपिंग करना परेशानी बढ़ा सकता है। बेहतर यही है कि पहले फंक्शनवार की लिस्ट तैयार की जाए और फिर उसी हिसाब से कपड़ों का चुनाव किया जाए।

### वेडिंग शॉपिंग के लिए शहर है परफेक्ट

लखनऊ को नवाबों का शहर यूं ही नहीं कहा जाता। यहां का फैशन सदा से ही बेहद शाही रहा है। शादी की शॉपिंग के लिए यह शहर हर बजट और हर पसंद को पूरा करता है। यहां आपको चिकनकारी से लेकर भारी लहंगे, बनारसी सिल्क और इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स तक सब कुछ आसानी से मिल जाता है।

### बदलता ब्राइडल स्टाइल

ब्राइडल फैशन तेजी से बदल रहा है। रेका व सलाई के लिए हल्के अनारकली सूट, चिकनकारी आउटफिट या इंडो-वेस्टर्न ट्रेंसेस पसंद की जा रही हैं। वहीं शादी के दिन आज भी भारी लहंगा, बनारसी साड़ी और शरारा-गरारा पहली पसंद बने हुए हैं। हालांकि आउटफिट का चुनाव परिवार की परंपरा और सामाजिक माहौल को ध्यान में रखकर ही किया जाता है।

### डिजाइनर या लोकल बाजार

लखनऊ में वेडिंग शॉपिंग के दो विकल्प हैं और दोनों ही अपने-अपने अंदाज में बेहतर हैं। एक ओर डिजाइनर बुटीक, जहां एक्सक्लूसिव और ट्रेंडिंग आउटफिट्स मिलते हैं। वहीं, दूसरी ओर वहां के लोकल बाजार, जहां वही लुक किफायती दामों में मिल सकता है। आज के दौर में ट्रेंडिशनल और वेस्टर्न का मिक्स लुक काफी पसंद किया जा रहा है, जिसमें दुल्हन का अंदाज मॉडर्न और क्लासिक दोनों लगता है।

### जूलरी शॉपिंग में भी विकल्प हैं कई

लखनऊ की शादियों में जूलरी को अहमियत बेहद खास होती है। कपड़ों के साथ-साथ जूलरी ही ब्राइडल लुक को पूरा करती है। प्रोफेशनल पलक बंसल कहती हैं कि मैं आमतौर पर जूलरी कैरी नहीं करती, लेकिन शादी के मौके पर इसकी अहमियत समझ आती है। इसलिए मैंने अभी मेकेटेस्ट ट्रिंडाइन देखने शुरू कर दिए हैं। जूलरी खरीदते वक्त मां और किसी अनुभवी व्यक्ति को साथ ले जाना बहुत मददगार होता है।"

**NOTE : -**

**[ : राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi, ]**

**English NEWSPAPERS**
**[ Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi ] ETC.**

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

**Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot**
**Or type in Search box of Telegram**
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
**BACKUP GROUP LINK**
**https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1**

# Hindi-English News Paper
# Website:- onlineftp.in